

**अनन्यजन्मा** पुं. (तत्.) अनन्यज, कामदेव।

**अनन्यतः** अव्य. (तत्.) किसी अन्य के लिए ही न, केवल प्रस्तुत वस्तु या व्यक्ति आदि के लिए ही।

**अनन्यता** स्त्री. (तत्.) एक ही में लीन रहना, एक से ही संबंध रखना, किसी अन्य से संबंध या उसके प्रति निष्ठा न रखना; एकनिष्ठता, अन्यत्र-वर्जन।

**अनन्यत्व** पुं. (तत्.) दे. अनन्यता।

**अनन्यदृष्टि** वि. (तत्.) 1. एकाग्र दृष्टि, एकटक देखते रहना; किसी एक को ही देखना वि. (तत्.) एकटक देखनेवाला।

**अनन्यदेव** वि. (तत्.) जिसका कोई अन्य देवता न हो। जो किसी अन्य देवता को नहीं मानता हो, पुं. (तत्.) परमात्मा, ईश्वर।

**अनन्यपरता** स्त्री. (तत्.) पूर्ण निष्ठ होने की स्थिति, भाव, एकनिष्ठता, अनन्यपरायणता।

**अनन्यपरायण** वि. (तत्.) जो एक ही व्यक्ति के अतिरिक्त किसी अन्य (स्त्री आदि) में आसक्त या लीन न हो।

**अनन्यपरायणता** स्त्री. (तत्.) एकनिष्ठता, पूर्ण निष्ठता, एक में ही आस्था।

**अनन्यपूर्व** वि. (तत्.) वह पुरुष जिसकी कोई अन्य पत्नी न हो।

**अनन्यपूर्वा** वि.स्त्री. (तत्.) 1. वह स्त्री जिसका पहले कोई पति न रहा हो 2. कुमारी, कुंवारी, अविवाहिता।

**अनन्यभक्ति** स्त्री. (तत्.) वह भक्ति जिस में भक्त केवल अपने इष्टदेव/आराध्यदेव पर अवलंबित रहता है, एकनिष्ठ भक्ति।

**अनन्यभाव** वि. (तत्.) 1. किसी अन्य के प्रति आस्था या भाव न रखने वाला पुं. (तत्.) 1. एकनिष्ठ भक्तिभाव 2. परमात्मा के प्रति पूर्ण भक्तिभाव।

**अनन्यमनस्क** वि. (तत्.) जो अन्यमनस्क या अन्यनिष्ठ न हो, जिसका मन और कहीं न हो, एकाग्र।

**अनन्यमना** वि. (तत्.) जिसका मन अन्यत्र न लगा हो, एकनिष्ठ एकाग्रचित्त।

**अनन्यमित्र** वि. (तत्.) जिसका एक ही मित्र हो।

**अनन्यविषय** वि. (तत्.) एकमात्र उसी विषय या संदर्भ से संबंधित।

**अनन्यवृत्ति** वि. (तत्.) 1. एकाग्रचित्त 2. जिसकी कोई अन्यवृत्ति, जीविका न हो।

**अनन्यशासन** वि. (तत्.) जिस पर दूसरे का अनुशासन नहीं चलता, दूसरे की आज्ञा नहीं चलती, स्वतंत्र।

**अनन्यसंक्रामकता** स्त्री. (तत्.) हस्तांतरण न हो सकने की अवस्था, भाव अहस्तांतरणीय विलो. अन्यसंक्रामकता।

**अनन्यसंक्राम्य** वि. (तत्.) जिसका हस्तांतरण न हो सके, जो दूसरे को न दिया जा सके या किसी से छीना न जा सके, अहस्तांतरणीय।

**अनन्यसदृश** वि. (तत्.) जिसके समान अन्य कोई न हो, अनुपम, बेजोड़।

**अनन्य समाचार** पुं. (तत्.) वह समाचार जिसके किसी अन्य समाचारपत्र में छपने की संभावना न हो; वह समाचार जो किसी और संवाददाता को प्राप्त न हुआ हो।

**अनन्याधिकार** पुं. (तत्.) एकाधिकार, किसी अन्य का अधिकार नहीं।

**अनन्यार्थ** वि. (तत्.) 1. जो किसी अन्य अर्थ या विषय से संबंधित न हो 2. मुख्य या आधिकारिक।

**अनन्याश्रित** वि. (तत्.) 1. जो दूसरे पर आश्रित न हो 2. स्वाधीन, स्वतंत्र 3. पुं. वह संपत्ति जिस पर ऋण न लिया गया हो।

**अनन्वय** पुं. (तत्.) 1. अन्वय या संबंध का अभाव 2. काव्य का वह अलंकार जिसमें उपमेय को ही उपमान के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जैसे रामरावण युद्ध तो बस रामरावण युद्ध के ही समान था।

**अनन्वित** वि. (तत्.) 1. असंबद्ध, पृथक् 2. वंचित, रहित।